हिस्ट्रीशीटर दंपत्ति के अवैध तीन मंजिला मकान पर चला बुलडोजर

जयपुर पुलिस और जेडीए प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई को अंजाम दिया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर हार्डकोर अपराधियों और हिस्ट्रीशीटरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जयपुर दक्षिण जिले की मानसरोवर थाना पुलिस और जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए हिस्ट्रीशीटर दंपत्ति के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला दिया। पुलिस के अनुसार ध्वस्त की गई तीन मंजिला अवैध इमारत की बाजार कीमत करीब एक करोड़ रुपए आंकी गई है।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि मानसरोवर थाना क्षेत्र के गुर्जर की थड़ी स्थित शिव शंकर विहार में हिस्ट्रीशीटर मुकेश सांसी (49) और उसकी पत्नी तीजा देवी (45) ने कथित रूप से अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित धन से जेडीए की अनुमति लिए बिना तथा भवन बायलॉज का उल्लंघन करते हुए मकान संख्या 36ए और 37 पर तीन मंजिला निर्माण करा रखा था। पुलिस के अनुसार क्षेत्र के लोगों द्वारा अवैध निर्माण का विरोध किए जाने पर आरोपी उन्हें डराकर-धमकाकर क्षेत्र में खौफ का माहौल बनाते थे।

जयपुर पुलिस और जेडीए टीम ने बुधवार को मानसरोवर क्षेत्र में हिस्ट्रीशीटर दंपत्ति के अवैध मकान को ध्वस्त किया।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त (मानसरोवर) हेमेंद्र शर्मा के पर्यवेक्षण में मानसरोवर थानाधिकारी सतीश चंद के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस और जेडीए की संयुक्त टीम ने समन्वित कार्रवाई करते हुए मकान संख्या 36ए पर किए गए अवैध निर्माण को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। वहीं मकान संख्या 37 के संबंध में जेडीए ने धारा 32 के तहत नोटिस जारी किया है।

- **अवैध शराब व मादक पदार्थों की तस्करी से संपत्ति अर्जित का आरोप**

पुलिस के अनुसार हिस्ट्रीशीटर तीजा देवी के खिलाफ मानसरोवर थाने में कुल 12 मामले दर्ज हैं। इनमें 9 मामले अवैध शराब तथा 3 मामले एनडीपीएस एक्ट से जुड़े हैं। इनमें से 11 मामलों में न्यायालय में चालान पेश किया जा चुका है, जबकि एक मामला विचाराधीन है। वहीं मुकेश सांसी के खिलाफ 8 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें 6 मामले अवैध शराब तथा 2 मामले एनडीपीएस एवं आर्म्स एक्ट से संबंधित हैं। सभी मामलों में न्यायालय में चालान पेश किया जा चुका है।

'50 फीसदी पदों से ज्यादा की चयन सूची नहीं बनाएं'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती-2025 से जुडे मामले में आरपीएससी को कहा है कि वह भर्ती के विज्ञापित पदों के अतिरिक्त 50 फीसदी पदों से ज्यादा की चयन सूची नहीं बनाए।

वहीं मामले में संबंधित पक्षकारों को नोटिस जारी करते हुए याचिका की कॉपी आरपीएससी के अधिवक्ता एमएफ बेग को देने के लिए कहा है। जस्टिस गणेश राम मीणा ने यह अंतरिम आदेश धर्मवीर मीणा व अन्य की याचिका पर दिए। याचिका में अदालत को बताया कि आरपीएससी ने 18 सितम्बर 2025 को असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। जिसमें 24 विषयों में 552 पदों पर भर्ती की संख्या जारी की गई।

वहीं बाद में इस विज्ञापन में 13 मई 2026 को संशोधन कर पदों की संख्या बढाकर 890 कर दी। इसके लिए आवेदन मांगने की प्रक्रिया भी शुरू नहीं की। इनमें से कई विषयों में पदों की संख्या दोगुनी कर दी गई, जबकि नियमानुसार 50 प्रतिशत से अधिक पदों में वृद्धि नहीं की सकती। ऐसे में भर्ती के 50 फीसदी से ज्यादा बढाए गए पदों की चयन सूची नहीं बनाई जानी चाहिए।

सुनवाई के दौरान आरपीएससी ने यह स्वीकार किया कि अतिरिक्त 50 फीसदी से ज्यादा बढाए गए पदों को वापस ले लिया जाएगा।

चिकित्सा विभाग में 7903 पदों पर होगा शीघ्र पदस्थापन

राजस्थान चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सीधी भर्ती-2024 को लेकर फैसला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि राजस्थान चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सीधी भर्ती-2024 में चयनित अभ्यर्थियों के पदस्थापन के लिए ऑनलाइन प्रेफरेंस (विकल्प) भरने की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। प्रशासनिक सुधार विभाग से 7903 चयनित अभ्यर्थियों की सूची विभाग के प्राप्त हो गई है। चयनित अभ्यर्थी राजहैल्थ पोर्टल पर लॉगिन कर 7 अगस्त की रात्रि 12 बजे तक अपने पदस्थापन के लिए विकल्प प्रस्तुत कर सकेंगे। इसके बाद पोर्टल स्वत: लॉक हो जाएगा।

प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि अभ्यर्थियों को अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी के माध्यम से पोर्टल पर लॉगिन करना होगा। लॉगिन के बाद वर्तमान निवास संबंधी जानकारी भरना अनिवार्य होगा। यदि अभ्यर्थी का पति अथवा पत्नी राजस्थान सरकार की नियमित सेवा में कार्यरत है, तो उसका विवरण भी पोर्टल पर दर्ज किया जा सकेगा। शहीद परिवार के आश्रितों को निर्धारित प्रमाण-पत्र अपलोड करना होगा। राठौड़ ने बताया कि पदस्थापन का आवंटन रोस्टर, मेरिट तथा अभ्यर्थियों द्वारा भरे गए विकल्पों के आधार पर ऑनलाइन काउंसलिंग के माध्यम से किया जाएगा। अभ्यर्थियों को अधिकतम संख्या में विकल्प भरने की सलाह दी गई है, जिससे उनकी पसंद के अनुसार पदस्थापन की संभावना बढ़ सके।

- **चयनित अभ्यर्थी 7 अगस्त की मध्यरात्रि तक राज हैल्थ पोर्टल पर पदस्थापन के लिए ऑनलाइन प्रेफरेंस भर सकेंगे**

निदेशक अराजपत्रित राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि यदि कोई अभ्यर्थी निर्धारित अवधि में विकल्प प्रस्तुत नहीं करता है, तो उसका पदस्थापन प्रशासनिक आवश्यकता के अनुसार रैंडम आधार पर किया जा सकता है। साथ ही, भरे गए विकल्पों के आधार पर किसी विशेष संस्थान में नियुक्ति का दावा नहीं किया जा सकेगा तथा प्रशासनिक कारणों से रिक्तियों में परिवर्तन भी संभव होगा।

महिला की गोली मारकर हत्या करने वाला गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। मानसरोवर थाना पुलिस ने महिला की गोली मारकर हत्या के मामले में पिछले एक वर्ष से फरार चल रहे दस हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपित सुप्रीम कोर्ट से जमानत पर रिहा होने के बाद अदालत में पेश नहीं हुआ था और लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बचता रहा। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने प्रतापनगर क्षेत्र से उसे धर दबोचा।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी रामवीर जाटव (30) निवासी खेड़ली जिला अलवर का रहने वाला है। आरोपी मानसरोवर थाने में दर्ज मुकदमे में वांछित था। डीसीपी ने बताया कि आरोपी सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद संबंधित अदालत में पेश नहीं हुआ। लगातार अनुपस्थित रहने पर अदालत ने उसके खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इसके बाद डीसीपी दक्षिण कार्यालय की ओर से आरोपी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। इसके चलते एसीपी मानसरोवर हेमेंद्र (आरपीएस) के सुपरविजन में मानसरोवर थानाधिकारी सतीश चंद के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी अपने परिजनों से भी संपर्क में नहीं था। साइबर सेल की तकनीकी सहायता से उसकी लोकेशन गुजरात के सूरत में एक कपड़े की दुकान पर मिली।

मुस्लिम संगठनों ने आंदोलन का ऐलान किया

जयपुर। प्रदेश में प्रस्तावित समान नागरिक संहिता के विरोध में मुस्लिम संगठनों ने आंदोलन का ऐलान किया है। जमात-ए-इस्लामी हिंद और जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने बुधवार को संयुक्त रूप से कहा कि यूसीसी संविधान, पर्सनल लॉ और मौलिक अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय है। यदि सरकार इसे लागू करने की दिशा में आगे बढ़ती है तो प्रदेशभर में जनजागरण अभियान, धरना-प्रदर्शन, राज्यपाल को ज्ञापन और आवश्यकता पड़ने पर हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में कानूनी चुनौती दी जाएगी। जमात-ए-इस्लामी हिंद के प्रदेशाध्यक्ष मोहम्मद नाजिम ने कहा कि यूसीसी जैसे महत्वपूर्ण कानून पर सभी समुदायों से व्यापक संवाद होना चाहिए। संगठन हस्ताक्षर अभियान चलाएगा, जिलों में बैठकें करेगा और सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को जागरूक करेगा। साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों के विधायकों से भी इस मुद्दे पर अंतरात्मा की आवाज के अनुसार विधानसभा में चर्चा करने की अपील की जाएगी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रदेश उपाध्यक्ष हाफिज मंजूर अली खान ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 29 सहित अन्य प्रावधान अल्पसंख्यकों की भाषा, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा करते हैं। उन्होंने यूसीसी अध्ययन समिति में राज्य के न्यायिक और सामाजिक विशेषज्ञों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं दिए जाने पर भी सवाल उठाया।

दोनों संगठनों ने स्पष्ट किया कि उनका विरोध पूरी तरह लोकतांत्रिक और संवैधानिक दायरे में रहेगा तथा सभी वैधानिक माध्यमों से यूसीसी के खिलाफ अपनी बात रखी जाएगी।

राजस्थान में इमर्सिव टूरिज्म एक्सपीरिएंस विकसित करने की जरूरत : शुचि त्यागी

जयपुर। पर्यटन सचिव शुचि त्यागी ने कहा कि, "आज के पर्यटक केवल पर्यटन स्थलों का भ्रमण नहीं, बल्कि यादगार और गहन अनुभवों की तलाश करते हैं। ऐसे में राजस्थान को निजी क्षेत्र के हितधारकों के साथ मजबूत सहयोग के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले और इमर्सिव पर्यटन अनुभव विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर, मजबूत कनेक्टिविटी और वन्यजीव, वेलनेस और एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने वाले प्रचार अभियानों के साथ राज्य पर्यटन को आर्थिक विकास के प्रमुख माध्यम के रूप में स्थापित करने पर जोर है। त्यागी बुधवार को जयपुर के आईटीसी राजपूताना में आयोजित राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट (आरडीटीएम) के छठे संस्करण और प्रथम मारवाड़ ट्रैवल मार्ट, जोधपुर के कर्टेन रेज़र कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थी।

जयपुर स्थित आईटीसी राजपूताना में बुधवार को राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट के छठे संस्करण और प्रथम मारवाड़ ट्रैवल मार्ट जोधपुर का कर्टेन रेज़र कार्यक्रम आयोजित हुआ।

उन्होंने कहा कि पर्यटन राजस्थान की सबसे बड़े ताकत है, क्योंकि इससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार, आजीविका और नए व्यवसाय के अवसर पैदा होते हैं। इस अवसर पर राजस्थान टूरिज्म विभाग और एफएचटीआर के बीच माट्र्स को लेकर एमओयू हस्ताक्षर भी हुए। जिसके पश्चात, आरडीटीएम और एमटीएम के औपचारिक पोस्टर लॉन्च किए गए।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पर्यटन आयुक्त रुक्मणी रियार ने कहा कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में कुछ कमी आ सकती है। ऐसे में यह ट्रैवल माट्र्स घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि जोधपुर के बाद अगला ट्रैवल मार्ट उदयपुर में आयोजित किया जाएगा। आरडीटीएम में पिछले वर्ष 20 हजार से अधिक बी-टू-बी बैठकें आयोजित हुई थीं, जबकि इस वर्ष 25 हजार से अधिक बैठकों की उम्मीद है। फैडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह शाहपुरा ने कहा कि राजस्थान के पर्यटन को जीवंत मेलों और त्योहारों को भी ट्रैवल एजेंट्स की यात्रा योजनाओं में शामिल किया जाना चाहिए। इससे पर्यटकों को राजस्थान की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को करीब से जानने और अनुभव करने का अवसर मिलेगा। महासचिव तरुण कुमार बंसल ने बताया कि छठा राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट (आरडीटीएम) 17 से 19 सितंबर तक जयपुर में आयोजित किया जाएगा। इसमें देशभर के पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े 300 से अधिक हितधारक शामिल होंगे।

जलदाय विभाग में समर्पित अवकाश भुगतान प्रक्रिया शुरू

जयपुर। प्रान्तीय नल मजदूर यूनियन इंटक के प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन पिछले 3 माह से जलदाय विभाग के कर्मचारियों के समर्पित अवकाश के भुगतान की मांग को लेकर लगातार संघर्षरत था। कर्मचारियों के हित में संगठन द्वारा निरंतर ज्ञापन, अधिकारियों से वार्ता तथा विभिन्न स्तरों पर प्रभावी प्रयास किए गए। इस संबंध में सकारात्मक निर्णय लिया जाना काबिले तारीफ है। संघ के कार्यवाहक प्रदेशाध्यक्ष बाबूलाल शर्मा एवं जयपुर जिला अध्यक्ष ताराचन्द सैनी ने बताया कि प्रान्तीय नल मजदूर यूनियन इंटक द्वारा लगातार किए गए प्रयासों, ज्ञापनों एवं धरना-प्रदर्शनों के परिणामस्वरूप राज्य सरकार ने समर्पित अवकाश भुगतान की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। इससे प्रदेशभर के जलदाय कर्मचारियों में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण है। यूनियन भविष्य में भी कर्मचारी हित की मांगों को उठाएगी।

सार-समाचार

छात्र नेता शुभम रेवाड़ का अनशन तुड़वाया

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव की बहाली और राजस्थानी भाषा विभाग की स्थापना की मांग को लेकर 15 दिन से एसएमएस अस्पताल में अनशनरत छात्र नेता शुभम रेवाड़ ने आखिरकार अपना अनशन समाप्त कर दिया है। बुधवार शाम पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, विधायक मुकेश भाकर व अन्य वरिष्ठ नेताओं ने अस्पताल पहुंचकर शुभम रेवाड़ से मुलाकात की और समझाइश कर जूस पिलाकर उनका अनशन तुड़वाया। मुलाकात के दौरान नेताओं ने शुभम के गिरते स्वास्थ्य पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि छात्र हितों की लडाई के लिए उनका स्वस्थ रहना बेहद आवश्यक है और इस मुद्दे को उठाने के कई अन्य लोकतांत्रिक तरीके मौजूद हैं। वरिष्ठ नेताओं के आग्रह को स्वीकार करते हुए शुभम रेवाड़ ने अनशन समाप्त किया, लेकिन साथ ही स्पष्ट कर दिया कि छात्रसंघ चुनाव कराने और अपनी मांगों को पूरा कराने के लिए उनका संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि इस 15 दिवसीय भूख हड़ताल और आंदोलन का सरकार पर भारी दबाव देखने को मिला। सरकार, जिसने शुरुआत में राजस्थानी भाषा विभाग खोलने को लेकर अडियल रुख अपनाया हुआ था, उसे छात्र शक्ति के आगे झुकना पड़ा और विश्वविद्यालय में राजस्थानी भाषा विभाग स्थापित करने की मंजूरी देनी पड़ी। इसके साथ ही छात्रसंघ चुनावों की बहाली को लेकर भी प्रशासन द्वारा जल्द ही एक कमेटी का गठन कर सकारात्मक निर्णय लेने का आश्वासन दिया गया है।

छात्रसंघ चुनाव के लिए दंडवत प्रदर्शन

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग को लेकर बुधवार को छात्र नेता नीरज खीचड़ के नेतृत्व में छात्रों ने संविधान पार्क के सामने दंडवत प्रदर्शन किया। हाथों में तख्तियां लेकर छात्रों ने लोकतंत्र और संविधान की दुहाई देते हुए सरकार से तत्काल छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने संविधान पार्क व विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया, लेकिन स्थिति तनावपूर्ण होने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार छात्रों को हिरासत में ले लिया और अन्य प्रदर्शनकारियों को परिसर से हटा दिया। छात्र नेता नीरज खीचड़ ने आरोप लगाया कि पिछले चार वर्षों से छात्रसंघ चुनाव नहीं होने से छात्रों की लोकतांत्रिक आवाज दब गई है और विश्वविद्यालयों में छात्र प्रतिनिधित्व समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि छात्रसंघ केवल चुनाव नहीं, बल्कि छात्रों की समस्याओं और अधिकारों की आवाज उठाने का मंच है। खीचड़ ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि 20 अगस्त तक छात्रसंघ चुनाव कराने की घोषणा नहीं की गई तो विधानसभा सत्र के दौरान सरकार का घेराव किया जाएगा। उन्होंने प्रदेशभर के युवाओं को आंदोलन से जोड़ने का भी आव्हान किया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों और पुलिस के बीच हल्की धक्का-मुक्की भी हुई। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में स्थिति को नियंत्रित किया गया तथा 4 छात्रों को हिरासत में लेकर शांति व्यवस्था बनाए रखी।

अजय शर्मा बने मुख्य लेखाधिकारी

जयपुर। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड में वरिष्ठ लेखाधिकारी के पद पर कार्यरत अजय कुमार शर्मा को पदोन्नति देकर मुख्य लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है। विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिशों एवं अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक के अनुमोदन के पश्चात वर्ष 2026-27 की रिक्ति के विरुद्ध यह पदोन्नित प्रदान की गई है। पदोन्नित के साथ ही निगम प्रबंधन द्वारा अजय कुमार शर्मा को मुख्य लेखाधिकारी (डब्ल्यू एंड एम एवं कंट्रोल) आरवीयूएन, जयपुर के महत्वपूर्ण पद पर पदस्थापित किया गया है। अजय शर्मा को लेखा विभाग में 32 वर्ष से अधिक अवधि का कार्य करने का अनुभव है। शर्मा ने अपने सेवा काल में वित्तीय प्रबंधन, लेखा नियंत्रण आदि कार्यों में उल्लेखनीय दक्षता का परिचय दिया है।

कच्छा-बनियान गिरोह की जयपुर में फिर दस्तक

जयपुर। जयपुर के टोंक रोड स्थित सूर्य नगर इलाके में मंगलवार देर रात करीब 2 बजे एक बार फिर कच्छा-बनियान गिरोह के बेखौफ बदमाशों की आवाजाही से हड़कंप मच गया। बदमाश वारदात की नीयत से एक मकान परिसर में दाखिल हुए थे, लेकिन मकान मालिकों की सतर्कता और सजगता के चलते वे अपने मंसूबों में सफल नहीं हो सके और मौके से भाग खड़े हुए। घटना की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि गिरोह के सदस्य उन्हीं मकानों के आसपास दोबारा सक्रिय दिखे, जहां लगभग दो महीने पहले भी चोरी का प्रयास किया गया था। इससे स्थानीय निवासियों में आशंका गहरा गई है कि यह गिरोह इलाके की लगातार रेकी कर रहा है और सुनसान या चिह्नित मकानों को निशाना बनाने की फिराक में है। क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों में बदमाशों की पूरी गतिविधि रिकॉर्ड हुई है। फुटेज में गिरोह का एक सदस्य पहले सुनसान गली में आकर स्थिति का जायजा लेता दिखता है। कोई हलचल न पाकर वह अपने बाकी साथियों को इशारा कर बुलाता है। इसके बाद गिरोह के सदस्य दीवार फांदकर मकान के भीतर दाखिल होता हैं, लेकिन परिजनों की सतर्कता के कारण बिना किसी बड़ी वारदात को अंजाम दिए फरार हो जाते हैं। घटना के तुरंत बाद स्थानीय निवासियों ने पुलिस को सूचित कर सीसीटीवी फुटेज सौंप दिए हैं। लगभग दो महीने बीत जाने के बाद भी गिरोह के पकड़ में न आने और उसी इलाके में दोबारा दस्तक देने से स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश और दहशत है। सूर्य नगर के निवासियों ने पुलिस प्रशासन से रात के समय गश्त और नाकाबंदी बढ़ाने तथा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की गिरफ्तारी की पुरजोर मांग की है।

चोर गिरफ्तार

जयपुर। कालवाड़ पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी करने वाले एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल भी बरामद की है। आरोपी पूर्व में भी चोरी और नकबजनी के कई मामलों में गिरफ्तार होकर जेल जा चुका है। पुलिस उपायुक्त प्रशांत किरण ने बताया कि कालवाड़ पुलिस ने दुपहिया वाहन चोर पारस मीणा (26) पुत्र जमना शंकर मीणा को गिरफ्तार किया है।

मूक-बधिर विद्यालय के छात्र धरने पर बैठे

हॉस्टल और शिक्षण की बदहाल व्यवस्था तथा भोजन व सफाई पर सवाल उठाए

जयपुर। जयपुर के राजकीय सेठ आनंदीलाल पोद्दार मूक-बधिर उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राएं अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरने पर बैठ गए। छात्रों ने हॉस्टल की बदहाल व्यवस्था, सुरक्षा में लापरवाही, भोजन और साफ-सफाई की खराब स्थिति, प्रशिक्षित सांकेतिक भाषा (आईएसएल) शिक्षकों की कमी तथा एक कर्मचारी पर अनुचित व्यवहार के आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की।

छात्रों का कहना है कि हॉस्टल में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, भवन जर्जर है और शिकायतों के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। वहीं विद्यालय प्रशासन ने कहा कि छत की वॉटरप्रूफिंग कराई जा चुकी है, सफाई और मरम्मत का कार्य जारी है तथा सीवरेज समस्या के समाधान के लिए नगर निगम को पत्र भेजा गया है।

- **धरने की सूचना पर जयपुर प्रथम एसडीएम खुशबू शर्मा तथा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी मौके पर पहुंचे**
- **उधर शिक्षा विभाग ने विद्यालय के प्राचार्य भरत जोशी को कार्यमुक्त कर बीकानेर निदेशालय में विभागीय परीक्षाओं के पंजीयक पद पर पदस्थापित कर दिया**

धरने की सूचना पर जयपुर प्रथम एसडीएम खुशबू शर्मा ने मौके पर पहुंचकर जांच कराई और रिपोर्ट जिला कलक्टर को सौंपने की बात कही। इसी बीच शिक्षा विभाग ने विद्यालय के प्राचार्य भरत जोशी को कार्यमुक्त कर बीकानेर निदेशालय में विभागीय परीक्षाओं के पंजीयक पद पर पदस्थापित कर दिया।

राजकीय सेठ आनंदीलाल पोद्दार मूक-बधिर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने बुधवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरना दिया।

हालांकि आदेश में कार्यमुक्ति का कारण स्पष्ट नहीं किया गया है। उधर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी विद्यालय पहुंचकर छात्रों की समस्याओं की स्वतंत्र जांच और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की।

उन्होंने कहा कि राजकीय सेठ आनंदीलाल पोद्दार मूक-बधिर उच्च माध्यमिक स्कूल में शौचालयों की बदहाल स्थिति, पीने के पानी का गहरा संकट और जर्जर भवन की खस्ताहाल व्यवस्था से मासूम दिव्यांग परेशान है। इस स्कूल के सघन निरीक्षण के दौरान यह सामने आया कि यहाँ बच्चों को पढ़ाने के लिए बिना साइन लैंग्वेज वाले शिक्षक तैनात थे, जिससे संवाद का भारी संकट खड़ा था। उन्होंने कहा कि यह विशेष जरूरतों वाले बच्चे होते हैं जिनकी शिक्षा-दीक्षा की लिए साइन लैंग्वेज वाले शिक्षकों की आवश्यकता होती है, परंतु यहां इन शिक्षकों की कमी है। जूली ने बताया कि बच्चों के लिए व्यवस्थाएँ बेहद ख़राब पाई गईं, हॉस्टल की स्थिति दयनीय थी और खाने-पीने का भी कोई उचित प्रबंध नहीं था। इन मूलभूत सुविधाओं के अभाव में मासूम बच्चे लगातार परेशान और प्रताड़ित हो रहे थे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार को इनकी मूल जरूरतों की बारे में तो संवेदनशील होना ही चाहिए। जूली ने बच्चों के बीच पहुँचकर न केवल उनका दुख-दर्द बाँटा, बल्कि मीडिया को भी मौके पर मौजूद बदहाली का कडवा सच दिखाया। उन्होंने सांकेतिक भाषा के माध्यम से मासूम बच्चों से संवाद किया और अपना संपर्क नंबर साझा करते हुए आश्वस्त किया कि यदि समस्या का हल न हो या कोई उन्हें परेशान करे, तो वे सीधे उन्हें फोन करें; साथ ही उनकी इस लडाई को राजस्थान विधानसभा के पटल पर पूरी प्रखरता से उठाने का भरोसा दिया।

विदेशी नौकरी के नाम पर साइबर गुलामी कराने वाले 3 बदमाश गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान पुलिस के स्टेट साइबर क्राइम थाना ने अंतरराष्ट्रीय साइबर स्लेवरी एवं मानव तस्करी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। यह कार्रवाई पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे साइबर अपराध विरोधी अभियान के तहत की गई।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (साइबर क्राइम) विजय कुमार सिंह ने बताया कि भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (4) से प्राप्त सूचना, तकनीकी विश्लेषण और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर नेटवर्क का खुलासा हुआ।

जांच में सामने आया कि गिरोह राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों के युवाओं को 800 से 1000 अमेरिकी डॉलर मासिक वेतन का लालच देकर कंबोडिया, म्यांमार, वियतनाम, लाओस और थाईलैंड भेजता था। वहां उनके पासपोर्ट जब्त कर उन्हें साइबर स्कैम सेंटरों में बंधक बनाकर डिजिटल अरेस्ट, फर्जी निवेश, क्रिप्टो फ्रॉड और जॉब स्कैम जैसी साइबर ठगी करने के लिए मजबूर किया जाता था। पुलिस ने आरिफ काठात उर्फ दीपु, कानू सिंह उर्फ पायथन और फिरोज काठात उर्फ माफिया को गिरफ्तार किया है।

जांच में सामने आया कि फिरोज सोशल मीडिया पर महिला बनकर फर्जी क्रिप्टो योजनाओं में लोगों को फंसाने और म्यूल अकाउंट संचालित करने का काम करता था। कानू सिंह ने होटल की नौकरी के बहाने कंबोडिया पहुंचकर महिला प्रोफाइल के जरिए ठगी करने के साथ चार अन्य भारतीय युवकों को भी साइबर स्कैम सेंटरों में भेजा। वहीं आरिफ फर्जी फेसबुक और व्हाट्सएप प्रोफाइल बनाकर लोगों को नकली ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर निवेश का झांसा देकर प्रोसेसिंग फीस के नाम पर ठगी करता था।

पूर्व में कोलकाता से गिरफ्तार तीन आरोपियों से पूछताछ और उनके मोबाइल फोन, पासपोर्ट, व्हाट्सएप चैट, वीपीएन, विदेशी संपर्क तथा क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े डिजिटल साक्ष्यों के विश्लेषण में नेटवर्क के कई अहम सुराग मिले हैं। पुलिस अब मानव तस्करी, साइबर स्लेवरी और करोड़ों रुपये की साइबर ठगी से जुड़े वित्तीय नेटवर्क की भी जांच कर रही है।